

महामाया विष्णुः कवि इत्युक्तं विष्णुः कविः ॥ १ ॥
विष्णुः कविः इत्युक्तं विष्णुः कविः ॥ २ ॥
विष्णुः कविः इत्युक्तं विष्णुः कविः ॥ ३ ॥
विष्णुः कविः इत्युक्तं विष्णुः कविः ॥ ४ ॥
विष्णुः कविः इत्युक्तं विष्णुः कविः ॥ ५ ॥
विष्णुः कविः इत्युक्तं विष्णुः कविः ॥ ६ ॥
विष्णुः कविः इत्युक्तं विष्णुः कविः ॥ ७ ॥
विष्णुः कविः इत्युक्तं विष्णुः कविः ॥ ८ ॥
विष्णुः कविः इत्युक्तं विष्णुः कविः ॥ ९ ॥
विष्णुः कविः इत्युक्तं विष्णुः कविः ॥ १० ॥

गमनि यत्र तावत्तु स कुरु ॥ ॥ यत्र तावत्तु स कुरु ॥
 मन्त्रवः मन्त्रयोदात्तः स कुरु ॥ गार्थीजिसः स मन्त्रमः ॥ कायपदं
 यकुरु ॥ गार्थपदं ॥ ॥ मनसाचिन्तयन् कार्यं वचसा न
 ॥ मन्त्रसूक्तं स गुरुता ॥ कार्यसिद्धिः ॥ ज्ञायते ॥ ॥ मनसूक्तं
 यः ॥ मनसाचिन्तयन् वचसा न ॥ मन्त्रिणां स ॥ वचनं न युक्तं ज्ञायते
 मन्त्रवः ॥ ॥ ॥ उक्तं कार्त्तुं गुरुतनः ॥ शक्तं स ॥ शक्तं स ॥

५७६

जायादस्य कुरु कुरु ॥ कुरु कुरु कुरु ॥ ॥ उचितं यागद
 सः ॥ शक्तं स ॥ जायादस्य कुरु कुरु ॥ उचितं वक्तव्यं तावत्तु स ॥ गार्थीजिसः स मन्त्रमः
 कुरु कुरु कुरु ॥ कुरु कुरु कुरु ॥ ॥ ॥ ॥
 वरुदमिगु कुरु कुरु ॥ यावत्तावत्तु स ॥ यावत्तावत्तु स ॥ यावत्तावत्तु स ॥
 हिद्याद्युक्तं स कुरु ॥ ॥ यत्र वित्तं ॥ ॥ शक्तं स ॥ शक्तं स ॥
 ना ॥ वरुदमिगु कुरु कुरु ॥ यत्र वित्तं ॥ ॥ शक्तं स ॥ शक्तं स ॥

५७६

वै ॥ शर्थसाक्षीसधनयागाक
रुद्रिककद क मरु ॥ मधनी
साकार्यमधनीयियः॥ ॥

शर्व ॥ वाक् वचनकानमकाय
आय्यामानमैतुवृद्धयः॥ ११ ॥
मित्वाचवाः शिवायुवधनः श्रियः

स श्रीवसविविद्रि काश ॥ मित्वाचवचनसुय ॥ शिवाय ॥ ६
नमयुर्व ॥ शिवाय ॥ मयनइयुर्व ॥ शिवायः॥ १२ ॥ यियवाक
यवानन ॥ सर्वकुषाजिज्ञावः ॥ तस्माकदवृष्टातयै ॥ किंवाकयि
दपिदता॥ ॥ यियवाकज्ञानकाव ॥ समलयागिदीर्गकुरु
वृद्धयै ॥ युगयाकमान ॥ वाकदपिदुहयमठवा ॥ १३ ॥ ॥
श्रिदागचदलेव ॥ शम्भुयादिर्नयसो ॥ कुरुदावायुहोपीच

यत्तु न ज्ञात नायिनः ॥ मया न ह व द्वा धरत य म न क या
 द आ व द्वा धरत ॥ अ नु म य य द्या न मा य या द आ द्वा धरत ॥ मि स
 ह म न स ख य या द आ व द्वा धरत ॥ य न मि ख य या द आ व द्वा धरत
 ग ॥ ध य गा व द्वा धरत ॥ १४ ॥ अ नु म य य द्या न मा य या
 न ॥ म यि व द्वा धरत ॥ अ नु म य य द्या न मा य या न ॥ न न न व द्वा
 द आ व द्वा धरत ॥ ॥ ध य गा व द्वा धरत ॥ व द्वा धरत ॥

॥ व द्वा धरत ॥ व द्वा धरत ॥ व द्वा धरत ॥ व द्वा धरत ॥ व द्वा धरत ॥
 य न म य द्वा धरत ॥ १५ ॥ न य द्वा धरत ॥ न य द्वा धरत ॥ न य द्वा धरत ॥
 न य द्वा धरत ॥ न य द्वा धरत ॥ न य द्वा धरत ॥ न य द्वा धरत ॥
 न य द्वा धरत ॥ न य द्वा धरत ॥ न य द्वा धरत ॥ न य द्वा धरत ॥
 न य द्वा धरत ॥ न य द्वा धरत ॥ न य द्वा धरत ॥ न य द्वा धरत ॥
 न य द्वा धरत ॥ न य द्वा धरत ॥ न य द्वा धरत ॥ न य द्वा धरत ॥

कथं स्वानकाकातु दायतं व. हानथं स्वचक्रादनभाचकम
वशा ११ ॥ अविमित्तमदासानं. यथासु सुविपागुयशा यानत
दातिमंदात्मा. सचसर्वं नशतिश. ॥ अहं वा अहं यनन
मिहवामित्तयनन. यथासु नचाकक्रीकृकृ य. अहं नीमित्तना
ममपदाव. थुर्क्यासर्वकायेनाशयशा १२ ॥ अनायकवर्म
कला. अनाथकलहयिय. अहं नसर्वहं क्रीव. नवशायी

विनशतिश. ॥ मनुष्यन. आयमसासं वयया कसथशत
नाशामददशस. स्वाययपदावथशत. आयमनिदमनिहनवर्क्य
शत. थुर्कमनुष्य. शायीननतायशा १३ ॥ कश्कालकानिमिद
गाकालि. कादशकं वायागमशकसीरुका. वयशकि. पित्तचिना
मुरुमुरुशा. ॥ कावहृत्. समित्तहृत्. सदाशहृत्. गमवायय
य. कावृगमवाय. अहं नस. अशकिहृत्. कावार्तवार्त.

धृतिविनाथवसुयजसः॥ २० ॥ सिंहादकं वकादकं ॥ शि
 यं बुलायिकं कं ठात ॥ तामसाय ॥ शिथान ॥ वद ॥ तामसाय ॥ शिथान
 तः॥ ॥ सिंहादकं न ॥ कतागुप्तसमन ॥ ॥ सिंहादकं न ॥ कता
 गुप्तसमन ॥ खायाकन ॥ यतागुप्तसमन ॥ काययाकन ॥ दातागुप्तस
 न ॥ रिवाकं याकन ॥ यतागुप्तसमन ॥ गाययाकन ॥ सीतागुप्तस
 नः॥ २१ ॥ यत्नकार्यमस्य द्वा ॥ यानवः ॥ कर्तुमिच्छति ॥ सर्वो

प्रकृतकार्यं ॥ सिंहादकं विधियतः॥ ॥ क्काकार्यं ॥ आवस्य
 तसमी ॥ रुद्रतमयासी ॥ किं वदत यत्नयननसमन ॥ सिंहादकं
 समनगुप्तः॥ २२ ॥ ॥ वृद्धिनिगुप्तसमन ॥ वकवत्यसिमान ॥ ॥ क
 यकासावयुनानि ॥ सर्वकार्योपीसाधयेतः॥ ॥ वा ॥ सावित्री
 स्तनिमन्यन ॥ थमकार्ययायमरु ॥ ठासे ॥ यंचद्विनिगुप्तसमन ॥ य
 थमकार्ययायमरु ॥ ठाव ॥ क्काकार्यं नयायः॥ २३ ॥ ॥ यागुप्ता

शिवार्चनदत्तः॥

॥समयाद्यकार्यमसिधताः॥ असवयम

नवः॥ शिवार्चनदत्तः॥ उक्तानसिधताः॥ थसताः॥ थसताः॥ थसताः॥

ननु॥ २०॥ ॥समयाद्यकार्यमसिधताः॥ थसताः॥ थसताः॥ थसताः॥

उक्तानसिधताः॥ ननु॥ थसताः॥ थसताः॥ थसताः॥ ॥थनिगाः॥

सुनीनधनयसः॥ ॥समयाद्यकार्यमसिधताः॥ थसताः॥ थसताः॥

थसताः॥ २८॥ ॥समयाद्यकार्यमसिधताः॥ थसताः॥ थसताः॥

समयाद्यकार्यमसिधताः॥ थसताः॥ थसताः॥ थसताः॥

मूलमसिधताः॥ थसताः॥ थसताः॥ थसताः॥

थसताः॥ थसताः॥ थसताः॥ थसताः॥

थसताः॥ थसताः॥ थसताः॥ थसताः॥

थसताः॥ थसताः॥ थसताः॥ थसताः॥

थसताः॥ थसताः॥ थसताः॥ थसताः॥

...नमस्तस्मै कृष्णाय ॥ मनकनारि
 ...वदाशत्रयिर्मथा ॥ ॥ आय
 ...कलकवय ॥ आयतिनचयमास ॥ यव
 ...वस ॥ यशुगणमायाक्रियाठकादन ॥ माक
 ...आयतिनचयवाहर्षा ॥ ३१ ॥ इक्षुनसाग
 ...वर्तनी ॥ अहर्नयवर्षा ॥ मन ॥ मरुवधष्यसा

...पुद्गलवदासी ॥ विहृतिउजावन ॥ हर्षतम
 ...माकनमागुह ॥ सागचसमद्वीमरुवधयादा ॥ शात्रामर्ष
 ...यशतवर्षय ॥ विषाधष्यवपस्यर्ष ॥ यवचाक्रमा
 ...मनधि ॥ वयववाहर्षा ॥ ॥ यधिविपनागामी ॥ इक्षुवन
 ...वैदादा ॥ कलकयशकिर्षीरुकिंज ॥ उयानिदाहर्षकिरु ॥ यव
 ...सचमविषाधयादनादा ॥ कलकवपसा ॥ मवनकृचाहर्षतसमनी

उयनिमवाञ्जलमनी ॥ उयनिदाक्कीरुकिडमतिवन ॥ किमक
 वञ्जकिर्क यमासवार्च ॥ ३३ ॥ हित्वाहित्वाचमोहि ॥ कत्वा
 वचमऽमनकं ॥ ज्ञातय ॥ ॥ समगीयानिय ॥ यनऽयच
 नवच ॥ दुत्यधाय ॥ ३४ ॥ विनाडात्रामनूयाह ॥ यऽम
 नीमथूननकन ॥ यऽम ॥ ताह्याकनफीह ॥ वसाधिमामयाकन
 ॥ ॥ मनूययाकनकर्त्त ॥ विना ॥ शक्याकनसइसमिथन

मीयाकनकर्त्त ॥ तागाग्रमयुज ॥ वपुयाकनकर्त्तनितार्च ॥
 ॥ ३५ ॥ ॥ यऽम ॥ कनामनूयाह ॥ मनऽमवाजिनीकना ॥ य
 मीथूननकनामीह ॥ मऽमनामीथूननकना ॥ ॥ यथवा ॥ मनूय
 याकना ॥ यथवामइय ॥ शर्कयाकना ॥ मीयाकना ॥ मिथनमद
 तकाव ॥ शर्कयाकनामिह ॥ नइयकाव ॥ ३६ ॥ ॥ कयावलि
 यवाधीना ॥ ककरासा ॥ निवागया ॥ रगय ॥ वार्थमयकं ॥ सध

कलदविदता॥

॥मनव्यायाकलइव॥ भवयास्मादिवा

कनयकलइव॥ यवयागममथ॥ कयासिनैतवकलइव॥

ऊनधंदावनमायाव॥ सिथंदाजीइइय॥ ३० ॥अथिता

याधितामखयवासियचमवक॥ जीवितायिमनइय॥ यथ

तइइवरागिन॥ ॥अथितानक॥ नैयंआवकैथइव॥

याधिनकलचयंआवकैथइव॥ मखयगानिर्वयइव॥ यव

गहयवचयंवाइइय॥ मवयवचयंवाइइय॥ यव

कैमवासीसिक॥ य॥ दइवरागिनी॥ य॥ ३१ ॥अथिन

मवासीकैगइइय॥ मवचमवचि॥ यनिकलकचयं॥ ननकम्याय

विधी॥ ॥समदाकैमामिसामको॥ कैमसाचमथय

दिनम॥ गीवदियाइइय॥ यनकैयानचकविधी॥ य॥

॥ ३२ ॥सुसईयायदायमा॥ ससुसइयवगामिन॥ यनक

जायदाशीता तदातेदुःखतागीनी॥ ॥ श्री नामस - ऊँ ऊँ
नवनकुलस दानदासी शिवदव वद्यान शातासर्मतादा
कथन थनयाकननान थमकनदुःखतागीनीश्वरी॥ ५० ॥
याप्रत निरुपमायाशि हक अयिदिनदिन सगुलसद्यगीयानि
यदिशकसमानव॥ ॥ गृनयमन्यामी गनथायस दि
नप्रतिद्विकाध्यय हगवयकाय वृंदसवाकुल्य निनवद्वि

दइयमा ४९ ॥ यनानीयवतमुः यनयाहीयवमि यः यन
सीचरु ह वासः शकसायिजियंरुसत॥ ॥ यनअर्नसदिवन
व साकवथइन यनवमुनालिसीमाकवथइन यनयान यन
मीसनकयादजावथइन यनकुसवसययीसांक्रथइन वृंदस
वाकुल्ययनवयाइनसना सक्तीमीय॥ ५३ ॥ अहोचानि
दनाविद्या नहामायगवानन अशुचिविधकानात्री यगुवाग

यतिविता॥

॥ विद्वानिनिधितिहृत्पदाव ॥ अशुचिहृत्पदाव ॥
व ॥ कायकय ॥ दत्तसर्वा ॥ यत्तसमदत्तदाव ॥ मीयशुचिहृत्पदाव ॥

॥ ४३ ॥ विरवाः सर्वयुक्तं नशनीयानिददिन ॥ साधुसा
इयितनः ॥ अथा ॥ यस्मीहं विद्वत्तं धनं ॥ ॥ समस्तवदुपलव
ज्ञायातं ॥ शनीयदत्तसर्व ॥ धनदत्तसा ॥ साधुसमस्तो ॥ उद्यमम
नृष्यधाय ॥ ५५ ॥ धनमाहृययधर्मा ॥ धनीः सर्वयतिवि

ताः ॥ उीवनिधनिनासाक ॥ मत्तयत्तधनानवा ॥

॥ द्रव्यव

माहृत्तं ॥ धर्ममादिनं ॥ समस्तधननयुतिवृत्तादत्तं ॥ ज्वन
वधनिनाकसाकधाय ॥ निधनिहृत्पदाव ॥ सिक्तधाय ॥ धनमव
संयतिहृत्पदाव ॥ मत्तयत्तधनानवा ॥ मंदद्वीयात्तयदय ॥ तामनस्य

॥ ४५ ॥ अतिमत्तधनानवा ॥ तत्तयत्तधनानवा ॥ अत्यवशिष्ट
वचनात्तधनानवा ॥ अतिमत्तधनानवा ॥

कर्मन नतयदतं गथं उच्यते तमडं नभाचकं वै अर्थभाचकम्
 ॥ ४९ ॥ कातं कातकं कानिती कसखानिच जागिनी यस्य ता
 योत्तसदुक्ता कचन मात्सर्वं गुरुः ॥ जागिनीर्निदनी मनिदनी
 नरदाव जागियासखमद गर्वमनयाया मीसगुष्टमरुचकाव
 कयाउक्तादायमद ॥ ४० ॥ जागिनीर्ककयकानिती सखीनिद
 तीमभाजीनी तार्योत्तुर्वे जावस्य तस्यनित्यासर्वं गुरुः ॥

निदनुनव जागिया जायसमास एव नख्यचयया मी थववज्जस
 वंनकाव कयाउक्तादायनी ॥ ४१ ॥ सर्वयजवज्जदुर्व
 सखीमासवजीसख नतहिं द्यात्समायन सखीसखदुखया ॥
 ॥ ॥ कयासिनिदुखवज्जव यनव जासवकुचय कयासिनी
 सखवज्जव ॥ ४२ ॥ प्रहसमसं थववज्जसखदुखं सखनीदुख
 मलिम मथनं ॥ ४३ ॥ सखस्याननजदुखं दुखस्यानन

गतिं अथमगतिश्च लसखिद्वन्नाकयास मावद्वर्त्तनस मा
० मर्वन कायार्थकाय ॥ ७५ ॥ उक्तमैः सकर्मज्ञान कानया
मसमन्तमि मद्धोह नानिक्कयन गमिहर्तैः दसमैः सह ॥ ॥
तिं उमयैव नार्यवानकात थुक्कठ रुमगवइ वरु मानवाक
व नार्यवानकात सयुठ माक सधउ वर्यगर्त ॥ ७६ ॥
किं कनिष्ठागिर्त्यवर्कैः सखायाइ नमिकमः यः प्रायुद समधामु ॥

क कायानामुगीऽतः ॥ नार्यऽतावद्वर्त्तन काय साहा
वगुमिमाह समद्वर्त्तनार्थ साह न अत्र वानार्यद्वर्त्तन साह
दाने अत्र वकाक यैरुसादइ समद्वर्त्तन साहावगुमिया इ
सद्वर्त्तन ॥ ७७ ॥ अत्रैः वातमऽत्रैः मयानिक्कवनिहिन
कीऽसमाविधि विवर्कि मधवायन ॥ साखन
माधैर्विहाव दधसनिमयसावत थुयाप्रति कसि

[illegible]

क कृत्य कृत्य म अ॥ ५२ ॥ नरि कर्मो विचारा विः मं ध्या का स्व शा ज य न
 आ कृत्य म थून निदाः न ध्या सा ध्या य स व र ॥ थ य न क र्माः स ध्या व न स स न
 व ॥ आ कृत्य म थून निदाः सा ध्या य ॥ थ न स न वा ॥ ५३ ॥ आ कृत्य म थून निदाः
 न ध्या विः गी र्ता न कृत्य म थून निदाः सा ध्या य ॥ थ न स न वा ॥ ५४ ॥ आ कृत्य म थून निदाः
 शा न स न व र ॥ आ कृत्य म थून निदाः सा ध्या य ॥ थ न स न वा ॥ ५५ ॥ आ कृत्य म थून निदाः
 स कृत्य म थून निदाः सा ध्या य ॥ थ न स न वा ॥ ५६ ॥ आ कृत्य म थून निदाः

न २
 व दी गत त्व कृत्य म थून निदाः सा ध्या य ॥ थ न स न वा ॥ ५७ ॥ आ कृत्य म थून निदाः
 आ कृत्य म थून निदाः सा ध्या य ॥ थ न स न वा ॥ ५८ ॥ आ कृत्य म थून निदाः
 स्वा वि य कृत्य म थून निदाः सा ध्या य ॥ थ न स न वा ॥ ५९ ॥ आ कृत्य म थून निदाः
 रिया स ॥ डि कृत्य म थून निदाः सा ध्या य ॥ थ न स न वा ॥ ६० ॥ आ कृत्य म थून निदाः
 स कृत्य म थून निदाः सा ध्या य ॥ थ न स न वा ॥ ६१ ॥ आ कृत्य म थून निदाः
 द कृत्य म थून निदाः सा ध्या य ॥ थ न स न वा ॥ ६२ ॥ आ कृत्य म थून निदाः

गुह्यतः सत्यधर्मो यथा यनः युवी जः वः सादकाः चाज्ञा धः काचि धा य
न ॥ कलवतः ॥ सावतः गुह्यतः सत्यवतः ॥ धर्मिकः चतुः न विचक्रुः
कुमावतः ॥ धर्मिकः चाज्ञाया यद्वत् ॥ १४ ॥ कन्यासंनिनत्तुं वृ
मयगर्ह सदा कर्तव्यं ॥ अनायचयकनोचं ॥ नाथियतानिया डयत ॥ काचि
कामसचतः ॥ साहिः ॥ सानिमहवः ॥ आयमसा सवप्रयाकः ॥ धर्मिकः
चाज्ञाया यमठवत् ॥ १५ ॥ मयवर्हिहिगाधीनः सर्वचतयनी ककः ॥

गुचिः वावसायीवः ॥ धर्मो धः काचि धा यनः ॥ काका कर्तुं न सना ॥ काका कर्तुं
सहितनः ॥ समस्त चतयाविकायाकः ॥ सावतः ॥ वावसायाकः ॥ धर्मिकः
धाय ॥ १६ ॥ ॥ आयुः ॥ दकताया सः ॥ सर्वज्ञः ॥ दियदर्शनः ॥ आयुः ॥
सगुह्यतः ॥ नववेद्याविधायनः ॥ वंश्यादिनः ॥ वेद्यभूतः ॥ अथास
याकः ॥ नाठिहदचिकित्सा सवः ॥ साकवाकवः ॥ सासा गावर्हिः ॥ गुन
वतः ॥ धर्मिकः वेद्यधाय ॥ १७ ॥ ॥ यितयितामसादकः ॥ १८ ॥ ॥ मयवर्हिहिगाधीनः ॥

याचकः श्रुतिविष्णुः कठिनश्चेव सूर्यकायः यथा गच्छति ॥ तद्वत् ज्ञानिर्ह्यविचक्रे न
 ॥ अमुर्वीतः ॥ याचकः हिंसाः कठिनमश्नुवत् ॥ धर्मसूत्राय याचकः हिंसा ॥ १७ ॥ सद्यः
 इकग्रहिणीतार्थः ॥ सद्यः रुक्मिणीतार्थः ॥ सर्वज्ञः सूर्यमात्राकीर्णः ॥ नवः प्रवक्तव्यः ॥
 अकृपवक्तः ॥ ननीकवान् नद्वत् ॥ अकृपवक्तृत्वात् ॥ अकृपवक्तृत्वात् ॥ अकृपवक्तृत्वात् ॥
 ॥ अकृपवक्तृत्वात् ॥ अकृपवक्तृत्वात् ॥ अकृपवक्तृत्वात् ॥ अकृपवक्तृत्वात् ॥
 सत्त्वान्वयिपदः ॥ अथमादी सदा दकः ॥ अथिहायः सद्यः चान्तिः ॥ काम्यमात्रः

नृवसवः वसवैः साकवदुवः यमादीमहवः विसकहाः धर्मयति
 हावधायशा ॥ ६० ॥ समसकृत् सासकृदयसितशक्तिनाममयेयमो
 गुह्ययतः गुह्यायाकाविषीयतः शावलीवलीसमर्थः सामसवविसकहाः
 विसकहादिकययवदवः धीयवतसूनः गुह्याः धर्ममैगीवधाय ॥ ६१ ॥
 समसकृत् यमासकृदवाहनययवाजितः ॥ ६२ ॥ यतीयगुह्यायताः ॥ ६३ ॥
 काविपतः ॥ समसकृत् यमासकृत् यववैहावयनसवः सूनः वीचः

किं १००० गाठ तनः क्षान्तिर्लक्ष्म्यमाप्ता ॥ ५५ ॥ याज्ञानियाद्युक्तमात्र
तुः सति जाज्ञानयागु त्मायगुहसुर्गनियामश्चः दक्षलक्षधनानामशा
॥ ॥ क्षान्तिर्लक्ष्म्यमाप्ता ॥ याज्ञानियाद्युक्तमात्र ॥ याज्ञानियाद्युक्तमात्र
जसकिर्हिदम् ॥ यत्रतत्रसः सृष्टीर्मायाकश्यः सृष्टीरुद्धिहयः ॥ ॥
मर्षानियाद्युक्तमात्रः ॥ तथा दायामहि यतः ॥ यत्रतत्रसः सृष्टीरुद्धिहयः ॥ ॥
यत्रतत्रसः ॥ ॥ मर्षानियाद्युक्तमात्रः ॥ याज्ञानियाद्युक्तमात्र ॥

यदि किं दयः सङ्गीभायः पुनरुसः ननकससया ॥ १८ ॥ तस्या
द्वयाग्वानित्यः धर्मकामार्थवद्वयगुनवर्तनित्याङ्गः गुणहीन
विवर्जयतः ॥ ॥ धृतिनग्वनस्यजातानः धर्मकथनः कामवद्विषयान
गुणवर्जक्याङ्गजयमात्राः गुणहीनक्रीतादतमात्रा ॥ १९ ॥ यदि
चित्कृतहृदयगुणवायदिवागुणः तमसंवद्वतजाताः सुकृतदसुत
नयिः ॥ गुणवर्तक्याङ्गजयानः धृतिनः गुणपादनीः सुकृतया

इ अथ वृत्त सहावः कर्म सः यत्र यत्र कायाय ॥ ११ ॥ हत वीरु कुम्ह

ह नः दसुतया कर्नः नातामसकी वृद्धिमाय ॥ १० ॥ यथाहमयवीरु ॥ ३

तः तापताउ नकुदनेः तथायत्रयमयवः कुरुजोननकर्ममा ॥ गथा ॥

कासीकासीनाकव्यदानः स्यपिकामार्तः वाधवावसनागमः अयत्का

सतयमितः तार्याचविहवक्रया ॥ उगावनः हितसायः आकासीः

स ऊनहितसायः अयदासः सितुहितसायः वियर्हिः सः मीहितसायः

विषयमदनदावा ॥ १२ ॥ हत्यावद्विषयाज्ञानः उरुमाधमम

व्यमागतनया अयथायथागमः लिचिर्लं वृद्धकर्ममा ॥ उगावन

नयूनकविमिः हिंममहिः वः सतयाचनः धुयनिः हिंममहिः सतया

ऊनयः सहिंममहिः सतयाऊनयः सतयाचनः सतयाचनः सतया

ऊनयः ॥ १३ ॥ असाग्रीमुखसंकर्तः सद्यसनिनगठः असाग्री

अमहकाः अयः अहयनयाधिया ॥ असाग्रीः सतयाचनः काधीः

तदीयानमीहयीः विकानसीनः सद्यः सतयाचनः नाता

॥ ॥ कार्यया अनूसायनः सा काया क र उ जय मा प्रः सा चान इ दुर्लभ म द त
का वः मा सा ख उ ग र्चः ॥ अर्थः ॥ १७ ॥ कृता व स नि भानि दाः अ ग क स क
ता न तिः कृता ४ सो र व द पि द स्यः दुर्ज ४ न स्य कृता ४ क्रमाः ॥ ॥ अ ज न स य ग क
याः किं उ म दः ह कि म इ व क्री याः ज गि र व म दः ता ज न या स ख र व म दः
दुर्ज न या कृ मा र व म दः ॥ १८ ॥ त स्य ज स्य कृता मा भा दुर्ज न स्य कृता ४ क
मा र व ४ अ सि सा कृता म हः कृता ४ स य ४ का मि नी ॥ ॥ र व या मा नि ख म दः

दुर्ज न या कृ मा म दः वे अ सि या स न हार व म दः का मि नि या स य व म दः ॥ ॥
॥ ७० ॥ दु र व स य व स ज अः वा ना नी च दि त व र्चः व र्च म र व स य मो न र्चः
चो या म म न र्च व र्चः ॥ ॥ दु र व स य व स इ र्च ज अः वा स क या व स इ र्च व र्चः
यः म र व या व स इ र्च ना न म वा स चानः र व या व स इ र्चः अ गु मि त या या ॥ ७१ ॥
॥ अ ना य ना द सि द्रा मः वा स व द ह त य सि नीः अ न्या य य नि र ह ता नीः स र्व
वा या यि वा ग ति ॥ ॥ नि ग ति याः ता स न याः वा न क याः क्रा ० याः उ जः

मविधजियाः धुतिसगतिरुचैवाकागा॥ ७२ ॥ व्याधिनस्यार्थदिते
नस्यः अकृतिगामितस्यचः हृदयस्यकदहस्यः सुरुदार्जनमोयध॥ ॥
॥ व्याधिनयाउचयैर्वाकैयथखतः विखयभासीर्वाकैयथखतः ॥ गान्
वात्वाकसाकैयथखतः हृदयस्यकदहस्यः कडाकयथखतः यतयाउर
यथैरुचैरुतियागानसया॥ ७३ ॥ अकृत्यवसन्त्याकः इतिरु
अकृतिगुरुः यडाकासस्यभनवाः यकिरुतिसवाचवा॥ ॥ सायस

यखतः व्याधिसंयखतः नममदयथखतः अकृवाकाईदतदासीयइ
नः यडासकुरुकिरुचदानेधरुतः यतसविचापयाककैरथैः ॥
॥ ७४ ॥ रावशुद्धिमनूय्यामीः हानवीसर्वकर्मसुः राव्यनच
विगाकागाः रावनददितानना॥ ॥ मन्वयायाश्चाकर्मइज
सनीः सिद्धिरुचैः रावमानुहारः मीरुथययैः रावयारवा
चैवययैरावनतवा॥ ७५ ॥ नदवीविद्यनकायः यावाहनचम

मयः रावयविद्यनंद बः सुस्माहावासरुह ॥ ॥ सिर्षद वसद
चेक्षार्षद वसदः चासं वसदः रावसासागहावदवह नैः यनयुथ
नरावखन वर्यना ॥ ७७ ॥ शिष्यार्षद वताचार्यः स्नानसावायद वर
गाहद वतायाविताहलाः वाक्की साजनन वतागा ॥ शिष्यायाद वतागु
नः गुन्यायद वतास्नानः स्त्रीयाद वताथवयनयः साकसमसुसद व
तावाक्कीर्षी ॥ ७८ ॥ विर्ययस्थयथा वद्विः नाचार्य वसद वताग्य

धीयस्थयथामाताः विर्ययस्थयथासुतगा ॥ वाक्कीनर्षीयुयहनी
अग्निर्षीः गुन्याय सायहनीद वर्यर्षीः मामसायहनीविधिदीर्षी
कायसायहनीमृगुदीहृत्सा ॥ ७९ ॥ गुन्यायिदितागिर्षीः वर्यनावा
क्कीर्षीगुन्यायिदितागिर्षीः सर्वसाखागतागुन्या ॥ वाक्की
नयाद वर्यर्षीः अग्निद वताः चक्रवर्षीयाद वर्यर्षी वाक्कीर्षीः मित्राकया
गुन्यायः यवयनयः साकसमसुसगुन्यायः अत्यागता ॥ ८० ॥

उरुसम्याविठरुस्य नीचायिगुरुमागता यदुनीयातथान्यायं सर्वस्य
 त्यागतागुप्रा ॥ उरुसकातिरुपैसनी नीचकातिरुपैसनी ॥ अथाग
 तच्छ्रवणकावे यथायापमास स्यासिने अथागतगुप्रा ॥ २० ॥
 देवतायुजयं हृक्का हत्यादाननयुजयतु शुद्धयुजायुकापिन विद्या
 मीमलि वलुना ॥ देवयुजययरावन उगवनयुजययदासन
 शुद्धययुजययउचन वाक्कैमायुजययनमस्कानन ॥ २१ ॥

मेलामर्ननाकान सुथामन शुवाक्कैमायुजययदना नतुव
 मेलनागन ॥ नाकायाधमिमल वाक्कैनसगुयमल अनागयाव
 ज्ञावाक्कैनयुजयययं नवधमी ॥ २२ ॥ अथायैरुसगधर्म अ
 थायैरुसगधर्म अथायैरुसगधर्म अथायैरुसगधर्म ॥
 धर्मरुसययकव अथायैरुसगधर्म अथायैरुसगधर्म अथायैरुसगधर्म
 अथायैरुसगधर्म अथायैरुसगधर्म अथायैरुसगधर्म ॥ २३ ॥ हाक्कैहाज

नमोऽकिंशुः नमिऽकिंशुः प्रसिद्धः विहवा दानमकिंशुः भात्यस्यत
यस्यऽदसः ॥ नयदुवा कनयाहा ईथइवः नमिऽसामथइयय
वथइलः युजलिनायसथयवथइलः ५ वथययवाथइलः दाना
लिइयवाथखगः विकटितयनः रुजसायमदू ॥ २६ ॥ वासवेव
वजकुर्मः ममिह्यखलुडीविगीरुनानामयिथकात्री ॥ २७ ॥ वतन
हवगः ॥ वलसवममायमासः अनियससावसाहनः ॥ २८ ॥

[illegible]

सदातः कामरुद्रासुहृन् सावित्रधाम्नीनयान् अन्नकाचहृन्
वज्रकिदामकास्यवियः कन्याकासहृन् धवतं अथ वानयाक
मयाकावः नयास्यनकासहृन् ॥ २१ ॥ दात्रिदं द्याविदुःखा
मिः वधनं यमनानिधुः द्यादालुदसमं गानिः तस्माद्दानं विणिष्यत
॥ ॥ यं वृज्जर्मसदसीदानमयाकादुलनः अथ वज्रमसः दात्रि
दुहृन् वधनं यमः अथ यहिनायः धृतममासकयाः दानमायः

वर्मयायः कीर्तियायमात्रा ॥ २२ ॥ यचकावुवधनवः यद
दुःखं वज्रं यः गादुःखं मनूयायः यचधर्मवदिकुगा
॥ ॥ अनेवधर्मसजगत्तुवः अथ मीकसजयमनूयायः वासुहृन्
साः कंकः यः डानुः सजयमाः अथ यः धृतगादुःखा ॥ २३ ॥
यडुदुर्जनसंसर्गः रुडुसाधर्ममागर्गः कृपूयस्यमहाजार्गः स
यन्निह्यमनिह्यगा ॥ ॥ अथिचर्मसावतावयीः दुर्जनवर्मसंगता

श्रीनरसमिखाइ नैष्ठिक ॥ ७० ॥

॥ उद्यमः साहसः ॥ धीर्यः वलः ॥

सप्तशतिका

॥ उद्यमः साहसः २ धीर्यः ३ वलः ४ बुद्धिः ५ यथाक्रमः ॥